www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 213 | जौनपुर मंगलवार, 24 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जम्मू–कश्मीर लोक भवन में बिहार दिवस का आयोजन

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर लोक भवन ने रविवार को बिहार दिवस मनाकर बिहार के महान क्रांतिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर लोक भवन में रविवार को जम्मू में बिहार दिवस का भव्य आयोजन किया गया। श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश की भावना का जश्न मनाते हुए इस सांस्कृतिक संध्या में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, छात्र और जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले बिहार के लोग एक साथ आए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस अवसर पर बिहार के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बिहार के महान क्रांतिकारियों और विख्यात व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र के विकास और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके बहुमूल्य योगदान को याद किया। उपराज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि चंद्रगुप्त मौर्य और चाणक्य काल से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक, बिहार राष्ट्र की ढाल और भारत की एकता तथा आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक और आर्थिक जीवन का केंद्र रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मगध साम्राज्य की हृदयभूमि के रूप में बिहार ने एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, राज्य अपनी प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त कर रहा है।

'हमारा बिहार, हमारी सड़क' ऐप पर करें शिकायत, मिलेगा समाधान : अशोक चौधरी

पटना, (एजेंसी)। 'हमारा बिहार, हमारी सड़क' ऐप के माध्यम से राज्य के लोग सड़कों के गड्ढों के बारे में शिकायत कर सकते हैं। संबंधित विभाग तुरंत मामले का संज्ञान लेगा और 48 घंटे के भीतर इंजीनियर या फिर ठेकेदारों द्वारा सड़क का मरम्मत कार्य ठीक नहीं होता है तो विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने रविवार को इस बाबत जानकारी साझा की। पटना में मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि हमारे विभाग ने, हमारे नेता नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में, श्हमारा बिहार, हमारी सड़कश ऐप लॉन्च किया है। अगर सड़क में कोई गड्ढा या दरार है या अगर किसी व्यक्ति को लगता है कि सड़क ठीक नहीं है, तो वह उसकी एक तस्वीर लेगा और उसे हमारे कमांड सेंटर में भेज देगा। उसे यह बताने की जरूरत नहीं होगी कि यह सड़क कहां की है, किस ब्लॉक की है, या कौन सी सड़क है। यह सारी जानकारी जियोटैगिंग के जरिए अपने आप हमारे पास पहुंच जाएगी।उन्होंने बताया कि हम लोग 48 घंटे का वक्त इंजीनियर और ठेकेदार को देते हैं, अगर 48 घंटे के भीतर वे रिस्पोंड नहीं करते हैं तो एक बार फिर रिमाइंडर जाएगा। इसके बाद कारण बताओ नोटिस के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा।

कालाबाजारी और जमाखोरी की शिकायतों पर हो त्वरित कार्रवाई : पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि कोरोना के समय हम एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। हमें फिर से उसी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। धीरज के साथ, संयम के साथ, शांत मन से हमें हर चुनौती का मुकाबला करना है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है। हमें बहुत सावधान और सतर्क भी रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि हालात का फायदा उठाने वाले झूठ फैलाने का प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों की कोशिशों को सफल नहीं होने देना है। मैं देश की सभी राज्य सरकारों से भी इस सदन के माध्यम से आग्रह करूंगा कि ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले, जमाखोरी करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए कड़ी निगरानी की जरूरत है। जहां से भी ऐसी शिकायत आती है, वहां त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संकट की स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.72 लाख से अधिक भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। इनमें 700 से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं। खाड़ी के देशों में हजारों भारतीय विद्यार्थी पढ़ते हैं। सीबीएसई ने ऐसे सभी भारतीय स्कूलों में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई लगातार चलती रहे, इसके लिए सीबीएसई उचित कदम उठा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि प्रभावित देशों में हमारे जितने भी मिशन हैं, वे लगातार भारतीयों की मदद में जुटे हैं। वहां काम करने वाले भारतीय हों या टूरिस्ट हों, सभी को हरसंभव मदद दी जा रही है। हमारे मिशन नियमित रूप से एडवाइजरी जारी कर रहे हैं। यहां भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24 घंटे कंट्रोल रूम और आपातकालीन हेल्पलाइन जारी की गई हैं। सभी भारतीयों को त्वरित जानकारी दी जा रही है।

लोकसभा में आज कसर्पोरेट कानून संशोधन बिल पेश होगा : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही आज सुबह 11 बजे पुनः शुरू होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक को लोकसभा में पेश करेंगी, जिसमें सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में और संशोधन किए जाएंगे। पिछले सप्ताह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया था, जिन्हें अनुशासनहीन व्यवहार के कारण बजट सत्र के शेष समय के लिए सदन में प्रवेश से प्रतिबंधित कर दिया गया था। बुधवार को राज्यसभा ने 20 राज्यों के 59 सदस्यों को विदाई दी। सदन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके संबोधन के बाद संसद को सोमवार, 23 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में यह प्रस्ताव भी रखेंगी कि केंद्र सरकार के वित्त वर्ष 2026–27 के वित्तीय प्रस्तावों को लागू करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए। उनसे अलग से सूचीबद्ध संशोधन पेश करने और विधेयक पारित करने का अनुरोध करने की उम्मीद है। कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 एक प्रस्तावित कानून है जिसका उद्देश्य छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाकर, कुछ आपराधिक प्रावधानों को नागरिक दंडों से प्रतिस्थापित करके और छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए अनुपालन के बोझ को कम करके व्यापार करने में आसानी को और बेहतर बनाना है।

बचा हुआ डेटा खत्म करना कंज्यूमर राइट्स का हनन है : राघव चड्ढा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मोबाइल फोन के प्लान के अनुसार रोजाना मिलने वाले डेटा का पूरा इस्तेमाल नहीं हो पाने की स्थिति में उसका बाद में उपयोग करने की व्यवस्था होने की मांग करते हुए सोमवार को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने कहा कि यह केवल डेटा की ही नहीं बल्कि उपभोक्ता के अधिकार की भी बात है। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए चड्ढा ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति मोबाइल फोन रीचार्ज कराता है तो उसे उसके प्लान के अनुसार डेटा मिलता है। ''यह डेटा रात बारह बजे समाप्त हो जाता है।'' उन्होंने कहा ''उपभोक्ता से पैसा पूरा लिया जाता है लेकिन रात बारह बजे तक अनुपयुक्त डेटा दिन समाप्त होने के साथ ही समाप्त हो जाता है। यह अनुपयुक्त डेटा हमें अगले दिन नहीं मिलता जबकि यह हमारी मेहनत के पैसों से खरीदा जाता है।'' उन्होंने कहा ''विडंबना यह है कि रोज के डेटा की सीमा तय होती है, लेकिन मासिक डेटा सीमा नहीं होती। मासिक डेटा सीमा होने पर पूरा डेटा इस्तेमाल होने की संभावना अधिक होती है क्योंकि लोग छुट्टी के दिन डेटा का अधिक उपयोग करते हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता और बचा हुआ डेटा वैलिडिटी समाप्त होने पर एक्सपायर हो जाता है।'' चड्ढा ने कहा कि आज इंटरनेट हर चीज के लिए जरूरी हो गया है और यह हमारे जीवन का हिस्सा बन गया है। आप सांसद ने मांग की कि अनुपयुक्त डेटा का बाद में इस्तेमाल करने की सुविधा दी जानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए।

पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए को मिलेगा पूर्ण बहुमत : पीयूष गोयल

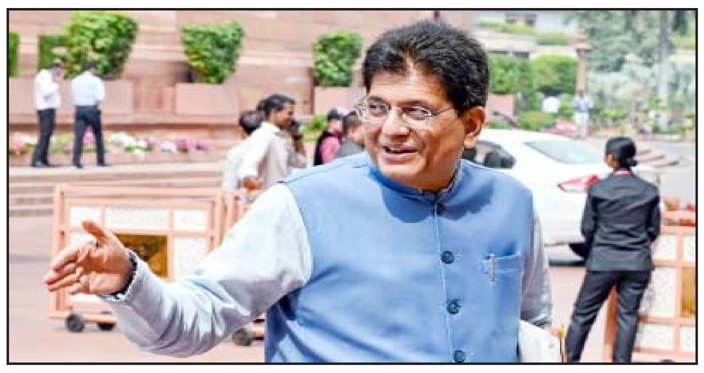

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को चेन्नई पहुंचे। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) चुनावों में शानदार जीत हासिल करेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन से मुलाकात के दौरान गोयल ने आश्वासन दिया कि गठबंधन तमिलनाडु और पुडुचेरी दोनों राज्यों की जनता को सशक्त शासन प्रदान करने के लिए तैयार है। पत्रकारों से बात करते हुए गोयल ने कहा कि एनडीए चुनावों में शानदार जीत हासिल करेगा और पुडुचेरी और तमिलनाडु की जनता को एक अच्छी सरकार देगा। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर गोयल ने कहा कि जब मैं मुक्त व्यापार समझौते करता था, तब वे कभी भी समय सीमा के दबाव में नहीं होते थेय मैं गुणवत्ता पर ध्यान देता था, यह कहते हुए कि हम सब एक परिवार की तरह साथ हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है, हमारे पारिवारिक संबंधों को देखते हुए, पूरा एनडीए एक परिवार की तरह काम करता है। एआईएडीएमके के ईपीएस, अंबुमणि रामदास, टीटीवी दिनाकरन, मेरी पार्टी के अध्यक्ष, नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन के नेतृत्व में, हम सब एक परिवार की तरह साथ हैं, और कई अन्य साझेदारों के साथ, हम सब एक कमरे में बैठकर निर्णय लेंगे और आज आपको बताएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की तमिलनाडु की अगली यात्रा पर गोयल ने कहा कि एक बार जब हम अपना चुनाव प्रचार शुरू कर देंगे, तो हम सभी साझेदारों के साथ चर्चा करेंगे और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम पर निर्णय लेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु के लोग ऐसी सरकार चाहते हैं ।

अखिलेश यादव का मास्टरस्ट्रोक, महिलाओं को 40,000 रुपये सालाना पेंशन का वादा

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अगर उनकी पार्टी 2027 में उत्तर प्रदेश में सत्ता में आती है, तो पुनर्जीवित समाजवादी पार्टी पेंशन योजना के तहत वंचित महिलाओं को प्रति वर्ष 40,000 रुपये मिलेंगे। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार और उन्हें अधिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के उद्देश्य से पहले से चल रही योजनाओं को फिर से शुरू करने और नई योजनाएं शुरू करने की बात भी कही। यादव ने कहा कि महिलाएं समाज का अहम हिस्सा हैं और राज्य के समग्र विकास के लिए उनकी प्रगति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं को सम्मानित और समर्थन देने के लिए रानी लक्ष्मीबाई जैसी योजनाओं को फिर से शुरू करने की योजना बना रही है। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक समानता सुनिश्चित करने के लिए नए कार्यक्रम शुरू करने की बात भी कही, खासकर कमजोर वर्गों की महिलाओं के लिए। उनके अनुसार, महिलाओं को सशक्त बनाना राज्य के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बातचीत के दौरान यादव ने कानून–व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि अपराध बढ़ रहे हैं और लोग, विशेषकर महिलाएं, असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है और कहा कि जब तक सरकार नहीं बदलती, स्थिति में सुधार नहीं होगा। उन्होंने अपने दावों के समर्थन में हाल की आपराधिक घटनाओं का भी हवाला दिया। यादव ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, विशेष रूप से लखनऊ के ग्रीन कॉरिडोर को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि परियोजना में उचित योजना का अभाव है और पैदल यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया है।

स्टालिन की सुनामी में उड़ेगा विपक्ष डीएमके को 180 सीटें मिलने का अनुमान

चेन्नई, (एजेंसी)। स्थित अग्नि न्यूज सर्विस द्वारा 23 मार्च को जारी एक सर्वेक्षण के अनुसार, आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन को 234 में से 180 सीटों पर जीत हासिल करने और 44.9ः वोट प्राप्त करने का अनुमान है। एआईएडीएमके गठबंधन को 38.5ः वोटों के साथ 54 सीटें जीतने का अनुमान है, हालांकि चेन्नई क्षेत्र में उसे एक भी सीट नहीं मिलेगी और मध्य क्षेत्र में केवल दो सीटों पर ही जीत हासिल होगी। अन्य पार्टियों को कम वोट मिलने का अनुमान है, जिनमें सिने स्टार विजय की तमिलगा वेट्ट्री कजगम को 9.7ः वोट मिलने की उम्मीद है, सीमन के नेतृत्व वाली नाम तमिलर काची को 4.8ः और अन्य सभी पार्टियों को मिलाकर 2.1ः वोट मिलने का अनुमान है। सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया है कि तमिलगा वेट्ट्री कजगम के नेता विजय और नाम तमिलर काची के मुख्य समन्वयक सीमन के चुनाव हारने की संभावना है। डीएमके नेता और मौजूदा मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का मुख्यमंत्री पद पर सबसे अधिक प्रभाव बताया जा रहा है, जबकि एडप्पाडी पलानीस्वामी का प्रभाव कथित तौर पर नगण्य है। क्षेत्रवार देखें तो, दक्षिणी क्षेत्र में 58 में से 42 सीटों पर डीएमके गठबंधन को बढ़त मिली है, जबकि एआईएडीएमके 16 सीटों पर आगे है। मध्य क्षेत्र में, 37 में से 35 सीटें डीएमके गठबंधन के पक्ष में और दो सीटें एआईएडीएमके गठबंधन के पक्ष में हैं। पश्चिमी क्षेत्र में, 50 में से 32 सीटों पर डीएमके गठबंधन की ओर झुकाव है, जबकि एआईएडीएमके 18 सीटों पर आगे है। उत्तरी क्षेत्र में, डीएमके गठबंधन 52 में से 35 सीटों पर आगे है, जबकि एआईएडीएमके गठबंधन 17 सीटों पर आगे है।

गुजरात दौरे पर राहुल गांधी, वडोदरा में आदिवासी सम्मेलन में शामिल होंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को वडोदरा का दौरा करेंगे। वे आदिवासियों के अधिकारों से जुड़ी एक सभा में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम गुजरात में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कांग्रेस की तैयारियों के बीच होगा।राहुल गांधी का सोमवार को दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक होने वाले श्आदिवासी संविधान अधिकार सम्मेलनश में शामिल होने का कार्यक्रम है। इस सम्मेलन में मध्य और पूर्वी गुजरात के अलग–अलग हिस्सों से आदिवासी समुदायों के सदस्यों के आने की उम्मीद है।गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जीपीसीसी) की आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार पारगी ने बताया कि राहुल गांधी अपने एक दिवसीय दौरे के तहत वडोदरा में मौजूद रहेंगे। उन्होंने पिछले दिनों आईएएनएस को बताया, ष्राहुल गांधी 23 मार्च को गुजरात में रहेंगे और वडोदरा में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह सम्मेलन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा और यह एक दिन का दौरा है। इसमें बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है।ष्राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं, जिसमें आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और उपचुनावों की तैयारियों की समीक्षा की जा सकती है। यह दौरा कांग्रेस की ओर से गुजरात में अपनी चुनावी रणनीति को व्यवस्थित करने के लिए राज्य–स्तरीय कई समितियों का गठन किए जाने के कुछ ही दिनों बाद हो रहा है। पार्टी ने रणनीति, चुनाव प्रचार प्रबंधन, चुनावी कामकाज, घोषणापत्र तैयार करने और मीडिया से संपर्क साधने के लिए अलग–अलग समितियां बनाई हैं।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भरत सिंह सोलंकी को रणनीति समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल चुनाव प्रचार समिति की कमान संभालेंगे। वरिष्ठ नेता सिद्धार्थ पटेल को चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि इन समितियों को चुनाव प्रचार की योजना बनाने और राज्य के सभी स्थानीय निकायों में चुनावी कामकाज की देखरेख करने का काम सौंपा गया है।

जगदीप धनखड़ ने ईडी के दबाव में दिया था इस्तीफा, संजय राउत की पुस्तक में किया गया दावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सियासी बयानबाजी के लिए अक्सर सुर्खियों में रहने वाले शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। अपनी किताब अनलाइकली पैराडाइस के जरिए उन्होंने कई ऐसे विस्फोटक दावे किए हैं, जिन्हें लेकर राजनीतिक हलकों में सनसनी फैलाने की कोशिश साफ नजर आती है। यह किताब आरोपों, संकेतों और सवालों का ऐसा मिश्रण पेश करती है, जो सीधे तौर पर सत्ता, जांच एजेंसियों और लोकतंत्र के रिश्ते पर उंगली उठाती है। हम आपको बता दें कि संजय राउत का सबसे बड़ा दावा यह है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 2025 में दबाव के चलते पद छोड़ा था। उनके मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी ने कथित तौर पर एक फाइल तैयार की थी, जिसे धनखड़ के सामने तब रखा गया जब उन्होंने सरकार के खिलाफ स्वतंत्र राजनीतिक रुख अपनाने के संकेत दिए थे। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस तरह के आरोप सियासत में एजेंसियों की भूमिका पर गंभीर सवाल जरूर खड़े करते हैं। किताब में यह भी कहा गया है कि जयपुर स्थित धनखड़ के घर की बिक्री और विदेश में धन हस्तांतरण को लेकर अफवाहों के आधार पर जांच एजेंसियों ने दबाव बनाने की कोशिश की। यह दावा अपने आप में कई परतें खोलता है, लेकिन इसके पीछे के तथ्यों को लेकर स्पष्टता अब तक सामने नहीं आई है। यही नहीं, पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा को लेकर भी किताब में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। संजय राउत का कहना है कि जब लवासा ने आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में असहमति जताई, तो उनके खिलाफ जांच और दबाव की कार्रवाई शुरू हुई। दावा किया गया है कि उनके घर पर छापे पड़े और परिवार को समन भेजे गए, जिसके बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा। हालांकि इन दावों पर भी आधिकारिक तौर पर कोई ठोस पुष्टि नहीं है, लेकिन यह मामला संस्थाओं की स्वतंत्रता पर बहस को फिर से जिंदा कर देता है। किताब में अतीत के कुछ राजनीतिक प्रसंगों का भी जिक्र है।

संपादकीय

देश में उलटी बयार

पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में उलटी बयार चल रही है। एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता छोड़ चीनी पूंजी बुलाई जा रही है, तो दूसरी तरफ भारतीय पूंजी श्अमेरिका फर्स्ट्य का एजेंडा साधने जा रही है! भारत ने सामरिक चिंताओं को ताक पर रखते हुए चीनी पूंजी के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। तर्क पहले से दिया जा रहा था कि जब विदेशी निवेशक भारत से मुंह मोड़ रहे हैं, भारत के लिए आ सकने वाली चीनी पूंजी का रास्ता रोके रखना ठीक नहीं है। गौरतलब है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3.7 बिलियन डॉलर का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बाहर गया। इसके अलावा दलील यह भी दी गई कि भारतीय कारखाना क्षेत्र चीनी उपकरणों एवं वस्तुओं पर निर्भर है, इसलिए उनका आयात करने के बजाय सही नीति चीनी कंपनियों के निवेश के जरिए उन्हें लाना होगा। संभवतरू इन्हीं तर्कों को मानते हुए केंद्र ने प्रेस नोट–3 को संशोधित किया है, जिसके जरिए अप्रैल 2020 में चीनी पूंजी के निवेश पर रोक लगाई गई थी। ये वो दौर था, जब लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी फौज भारतीय इलाकों में जबरन घुसने में जुटी थी। इसलिए प्रेस नोट–3 को महज आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कदम भी माना गया था। लेकिन उस पर बिना कोई स्पष्टीकरण दिए उस निर्णय को पलट दिया गया है। बहरहाल, इस निर्णय के साथ ही एक दूसरी खबर आई है, जिससे पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में चल रही उलटी बयार का अहसास होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि रिलायंस ग्रुप अमेरिका के ब्राउन्सविले में एक बड़ी रिफाइनरी लगाएगा, जिसके लिए 300 बिलियन डॉलर का सौदा हुआ है। ट्रंप ने इसे श्अमेरिकी श्रमिकों, ऊर्जा, एवं दक्षिण टेक्सस के लोगों की बड़ी जीत्य बताया हैय और कहा है कि इससे श्अमेरिकी बाजार में गति आएगी, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा, जिससे अरबों डॉलर का आर्थिक लाभ्य अमेरिका को होगा। मतलब यह कि भारत के डेटा और बाजार के बाद अब भारतीय पूंजी श्अमेरिका फर्स्ट्य एजेंडे का हित साधेगी। मुद्दा यह है कि बदले में भारत को क्या मिलेगा? उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिकी मंत्री क्रिस्फोटर लैंडो भारत आकर बता चुके हैं कि भारत के विकास में मददगार बनने का अमेरिका का कोई इरादा नहीं है!

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम सवर्णों के राजनीतिक-सामाजिक भविष्य को तय करेंगे

कमलेश

देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जिसके मतदानध्परिणाम भाजपा नीत एनडीए की भावी रीति–नीति और सवर्णों के सामाजिक–राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे। बताया जाता है कि यदि इन चुनावों को भाजपा नीत गठबंधन जीत जाता है तो वह ओबीसी–दलित वोटरों को रिझाने के लिए सवर्ण विरोधी एजेंडों को इत्मीनान पूर्वक धार देगा! ऐसा इसलिए कि सामान्य जातियों से जुड़े सवर्ण वोटर ही भाजपा के कोर वोटर माने जाते हैं, लेकिन ओबीसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के रहते हुए भी जिस तरह से सवर्ण विरोधी यूजीसी इक्विटी बिल लाया गया है, उससे सामान्य जातियों के लोग अर्थात सवर्ण समुदाय का एक बड़ा तबका अपनी मुख्य पार्टी भाजपा से काफी नाराज हैं और बदलती राजनीति के बीच वे किधर करवट लेंगे, यह बात पूरी तरह से चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि अपने हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने के लिए भाजपा कांग्रेसी राज और समाजवादी राज की दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक व भाषाई क्षेत्र सम्बन्धी नीतियों को और अधिक धार दे रही है। आरक्षण, जातीय जनगणना, एससी–एसटी एक्ट से जुड़े पदोन्नति प्रावधान, कमाऊ मंदिर संचालन जैसी नीतियों में पहले की सरकारों में और अब की सरकार में कोई अंतर नहीं आया है। कोढ़ में खाज यह कि भाजपा अपने हिंदुत्व के एजेंडे से भटकती प्रतीत हो रही है। ऐसे में सत्ता के जातीय, सांप्रदायिक और भाषाई–क्षेत्रवाद की मानसिकता में कोई बदलाव न देख देश का सामाजिक इंजन वर्ग यानी सवर्ण समुदाय भाजपा से काफी नाराज है और यूजीसी इक्विटी बिल ने आग में घी का काम किया है। चूंकि सवर्ण वोट कभी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों का भी कोर वोट बैंक हुआ करता था, और इनकी दलित–ओबीसी आरक्षण व अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीतियों से आजिज होकर भाजपा के आकर्षक मंडल विरोधी कमण्डलवाद पर फिदा हो चुका था, वह मोदी–शाह युग में एक के बाद दूसरे झटके लगते रहने से सियासी विकल्प ढूंढ रहा है। चूंकि भाजपा नेतृत्व पूंजीपतियों के इशारे पर ब्राह्मण–राजपूत नेतृत्व को दरकिनार करते हुए ओबीसी–दलित नेतृत्व को मजबूत कर रहा है, इससे भी सवर्ण वर्ग में नाराजगी है। यही वजह है कि 5 राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगी दल भाजपा के खिलाफ पनपे सवर्ण प्रतिरोध को पूरी तरह से अंदर ही अंदर भुनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उनका दलित–ओबीसी–अल्पसंख्यक कोर वोट बैंक नाराज भी न हो और सवर्ण भी उनकी ओर लौट जाएं, ताकि अबतक की हारी हुई बाजी को पुनः जीता जा सके और यत्र तत्र जीती हुई बाजी को बरकरार रखाक जा सके! हालांकि, अब वे अपनी कोशिशों में कितने कामयाब होंगे, यह तो बाद ही पता चल पाएगा। वहीं, कतिपय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के चुनाव परिणाम सवर्णों के सामाजिक–राजनीतिक भविष्य को तय नहीं करेंगे, भले ही भाजपा इन चुनावों में पश्चिम बंगाल और असम जीत जाए और तमिलनाडु, केरल व पुड्डुचेरी में पहले से ज्यादा मजबूत होकर जीते। क्योंकि यूजीसी इक्विटी बिल के बाद उपजे सवर्ण जनाक्रोश को डैमेज–कंट्रोल करने के लिए भाजपा–आरएसएस के रणनीतिकार जुट गए हैं, हालांकि उन्हें भी यह आशंका है कि ये चुनाव भाजपा के सवर्ण वोट बैंक के लिए महत्वपूर्ण परीक्षा की घड़ी हैं! वहीं, भाजपा की ओर कितने दलित–ओबीसी वोटर लौटते हैं, इससे भाजपा को सियासी तंदुरुस्ती मिलेगी। भाजपा की सवर्ण लॉबी का कहना है कि अब भी सवर्ण वोट पार्टी के कोर सपोर्टर बने हुए हैं, क्योंकि उनके पास भाजपा से उम्दा विकल्प मौजूद नहीं है। जबकि भाजपा अपनी चुनावी जीत के लिए दलित, आदिवासी और ओबीसी वोटों पर ही निर्भर करती है। इसलिए वह सभी समुदायों के बीच राष्ट्रवादी तालमेल बिठाने में जुटी हुई है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम देश,

भारत के खिलाफ नहीं खड़े हों, इसलिए भाजपा ने भी कुछ बदलावों के साथ अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीतियों को अपना लिया है। मसलन, यदि 5 राज्यों में हो रहे चुनावों की चुनावी पृष्ठभूमि पर नजर डाली जाए तो 2026 में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए मतदान 23–29 अप्रैल 2026 को होंगे। वहीं असम की 126 विधानसभा सीटों, तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों, केरल की 140 विधानसभा सीटों और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव होंगे। इन चुनावों में भाजपा मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल और असम पर फोकस कर रही है। क्योंकि जहां पिछले विधानसभा चुनाव 2021 में पश्चिम बंगाल में बीजेपी को 77 सीटें मिलीं थी। वहीं, असम में भाजपा की सत्ता बरकरार रहा गई थी और अभी वहां भाजपा सत्तारूढ़ पार्टी है। इसलिए, जहां तक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सवर्णों की भूमिका की बात है तो भाजपा को सवर्ण यानी ब्राह्मण, कायस्थ, वैद्य आदि से मजबूत समर्थन मिलता बताया जा रहा है। यद्यपि राष्ट्रीय स्तर पर सभी जातियों व धर्मों को मिलाकर 61: सवर्ण वोट हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा श्5: हिंदू वोट फॉर्मूलाश से सवर्णों को श्सनातनीश के रूप में साध रही है। जबकि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के नेतृत्व में सूबाई सत्ता के शीर्ष पर सवर्ण कायम हैं, जबकि जीत के पीछे अल्पसंख्यक–दलित–आदिवासी–ओबीसी वोट मुख्य हैं। इसलिए भाजपा भी पश्चिम बंगाल में सवर्णों को टीएमसी की सत्ता से खींचकर अपनी ओर करना चाहती है और ओबीसी– दलित–आदिवासी वोटरों को भी अपने पाले में करने में जुटी हुई है, जबकि अल्पसंख्यक वोटों के रायता फैलाने हेतु उसके गुप्त इशारे पर वहां की लोकल अल्पसंख्यक पार्टी ताल ठोक चुकी है। वहीं बंगाल अस्मिता का सवाल कितना मुखर होगा, घुसपैठियों का मुद्दा कितना रंग लाएगा, वह मतदान ट्रेंड और चुनाव परिणाम से ही पता चलेगा। वहीं, जहां तक पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के परिणाम की बात है तो भाजपा की जीत से सवर्णों का राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा, लेकिन उनका सामाजिक भविष्य भाजपा की राष्ट्रीय नीतियों यथा–आरक्षण, जाति जनगणना आदि पर ही निर्भर करेगा। वहीं, असम में भी यही बातें लागू होंगी, क्योंकि वहाँ तो भाजपा पहले से ही सत्ता में है। वहीं, तमिलनाडु और केरल में सवर्ण प्रभाव कम है, इसलिए 5 राज्यों की जीत से सवर्ण गठबंधन मजबूत होगा, न कि सवर्णों का राजनीतिक–सामाजिक भविष्य तय होगा। उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात आदि के भावी विधानसभा और आम चुनाव 2029 के रुझान, मतदान और चुनाव परिणाम वास्तविक तौर पर सवर्णों के सामाजिक और राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे। यही वजह है कि भाजपा की पश्चिम बंगाल में जीत से सवर्ण ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर भी सीधा असर पड़ने की संभावना कम है, क्योंकि यह केंद्र सरकार के नीति क्षेत्र में आता है। राज्य स्तर पर भाजपा सवर्ण समर्थन को मजबूत करने वाली नीतियां ला सकती है, लेकिन 10: आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण आरक्षण राष्ट्रीय कानून है। यदि इसे पश्चिम बंगाल में भी लागू करवाया जाता है तो यह और भी अच्छी बात होगी। चर्चा है कि पश्चिम बंगाल की जीत पर भाजपा ईडब्ल्यूएस कोटा बढ़ा सकती है और सवर्ण–केंद्रित योजनाएं जो शिक्षा, नौकरी से जुड़ी हैं, वहां ला सकती है,।

नेतन्याहू ने ट्रंप के जरिए मकसद साधा

हरिशंकर व्यास

ओह! इक्कीसवीं सदी। इस सदी के प्रारंभ की एक तारीख 9ध्11 की थी। ताजा तारीख 2ध28 है। और 26 वर्षों की इस पूरी अवधि के प्रतीक कौन हैं? तब जॉर्ज डब्ल्यू बुश थे। अब डोनाल्ड ट्रंप हैं। और तीसरे प्रतीक इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हैं। 9ध11 के समय नेतन्याहू प्रधानमंत्री नहीं थे। वे 1996 में प्रधानमंत्री थे। उन्होंने ओस्लो समझौते को हाशिए में रख फिलिस्तीनियों के प्रति नया रवैया अपनाया था। उनकी वापसी 9ध11 की घटना के वैश्विक प्रभावों का एक परिणाम थी। हां, नेतन्याहू सर्वाधिक लंबे समय से प्रधानमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड लिए हुए हैं। वे पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने। उन्होंने इजराइल के संस्थापक प्रधानमंत्री डेविड बेन–गुरियन (14 मई 1948 को उन्हीं ने इजराइल की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।) के कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ा है। नेतन्याहू का अब तक का कार्यकाल 18 वर्षों का है। तय मानें ईरान पर इजराइल–अमेरिकी हमले तथा 24 घंटे के भीतर ईरानी सुप्रीमो अली खामेनेई की मौत से इसी साल होने वाले चुनावों में भी नेतन्याहू की जीत पक्की है। नेतन्याहू पहले दिन से फिलिस्तीनियों, अरब इस्लामी राजनीति को हैसियत बताने के मकसद में काम करते रहे हैं। और इसमें वे अपनी सफलता की गाथा 28 फरवरी 2026 की तारीख पर बुनेंगे जिस पर इजराइली मतदाताओं का अनिवार्यतरू ठप्पा लगेगा। मैं नेतन्याहू को पहले रख रहा हूं और डोनाल्ड ट्रंप को बाद में। क्योंकि जो हुआ है उसके उत्प्रेरक केवल और केवल नेतन्याहू हैं। कहने वाले कहेंगे कि ट्रंप मवाली हैं और उनकी वजह से वेनेजुएला के बाद ईरान ऑपरेशन हुआ। पर असल खेला नेतन्याहू का रचा हुआ है। उन्होंने पश्चिम एशिया की शक्ल बदली है तो दुनिया के कोई दो अरब (1.9 अरब) मुसलमानों के दिल–दिमाग को भी झिंझोड़ा है। निश्चित ही चिंगारी हमास के (सात अक्टूबर 2023) आतंकी हमले से थी। लेकिन उसके बाद जो हुआ है वह केवल नेतन्याहू की बदौलत है। उन्होंने किसी की कोई चिंता नहीं की। और दुनिया के आगे गाजा का वह लाइव नजारा बनाया जिसे देख हर कोई दहला। और दुनिया भर के मुसलमान पर सर्वाधिक असर। यही इस सदी के 26 वर्षों की हकीकत है। मानों सभ्यताओं में संघर्ष बिना घोषणा के होता हुआ। सोचें, आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रपति बुश के वैश्विक जंग के ऐलान और अफगानिस्तान–इराक पर हमलों के बाद क्या माना गया? खत्म हुए इस्लामी आतंकी और दुनिया सामान्य! लेकिन इजराइल में नेतन्याहू, यूरोप में आतंकियों, इराक–सीरिया में इस्लामी स्टेट और फिर अचानक ट्रंप का उभार क्या था? यों कहने को नेतन्याहू–ट्रंप ने अब्राहम समझौते का झुनझुना बना कर यहूदी इजराइल और इस्लामी देशों में कूटनीतिक रिश्तों की झांकी बनाई लेकिन अंत अनुभव क्या है? कुल परिणाम क्या है? कह सकते हैं समय के साथ भूल जाने वाली घटनाओं का सिलसिला है। यह सही नहीं है। क्योंकि हम 21वीं सदी में हैं। वह बीसवीं सदी अलग थी, जिसमें महायुद्ध हुए। विश्व व्यवस्था बदली। मगर वह सब वैश्विक जनमानस की आंखों के आगे प्रत्यक्ष नहीं था। अमेरिका ऐसा है, यहूदी ऐसे हैं, मुसलमान ऐसे हैं, हिंदू ऐसे हैं, ईसाई ऐसे हैं, ये बाते बीसवीं सदी में जानकार लोग ही सुनते थे। सब सुनी–सुनाई बातें होती थीं। पश्चिम एशिया में कभी क्रूसेड हुआ। मुस्लिम हमलावर निर्मम हैं या यूरोपीय देश लुटेरे हैं, औपनिवेशिक ताकतें और पूंजीपति शोषक हैं ये तमाम बातें आम जन मानस से दूर थी, जबकि इक्कीसवीं सदी में दुनिया एक गांव है। सब कुछ लाइव है। आज पृथ्वी के आठ अरब लोगों के आगे सब लाइव घटता हुआ है। सो, दुनिया के आगे नेतन्याहू के भी पल–पल दर्शन हैं तो अली खामेनेई, लादेन, बगदादी, ट्रंप, मोदी, पुतिन, शी जिनपिंग आदि भी कैमरे के जरिए आंखों के आगे साक्षात हैं। इसलिए नेतन्याहू ने 2023 से अब तक जो किया है वह वैश्विक स्मृतियों में, मुस्लिम आबादी में आंखों देखी दर्ज है। नेतन्याहू और ट्रंप को गलतफहमी है कि अली खामेनेई और ईरान को शैतान करार देकर मारा है तो मुसलमान उनका जयकारा करेगा। मेरा मानना है कि ट्रंप प्रशासन का यह सोचना ही बेवकूफी भरा है कि ईरान के लोग उसके लोकतंत्र बनवाने के मिशन की वाह करेंगे। इसलिए हर खाड़ी देश ने ट्रंप प्रशासन को समझाना चाहा कि ईरान पर हमला न करें। इसके पीछे कतर, ओमान, कुवैत, बहरीन को जहां अपनी सुरक्षा की चिंता थी वही मुस्लिम जनमानस की भी चिंता थी। पृथ्वी के दो अरब लोगों ने पिछले तीन वर्षों में गाजा को जैसा लाइव देखा है, वे भला कैसे ईरान पर हमले को ईरानी लोगों की भलाई का का काम मानेंगे। बहरहाल, नेतन्याहू ने जो चाहा वह कर दिखाया। ट्रंप के कंधे से ईरान पर वार का मुकाम ऐतिहासिक है। और ऐतिहासिक मायने इस्लाम, इस्लामी राजनीति, इस्लामी धर्मसत्ता के सभी पहलूओं में गंभीर है। मुझे नहीं लगता कि ईरान के नौ करोड़ शिया मुसलमान अपने धर्म की धर्मसत्ता छोड़ धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को अपनाएंगे? ईरान वेनेजुएला नहीं है। न ही मिस्र, तुर्की या इंडोनेशिया है। वजह ईरान का दुनिया के कोई 20–25 करोड़ शियाओं का धर्मतीर्थ होना भी है। दुनिया भर से लाखों की संख्या में शिया हर साल ईरान के तीर्थ कर्बला, नजफ, मशहद, कोम पहुंचते हैं। और ये ही षविलायत–ए फकधीहष यानी आयतुल्लाहध्मरजाअ की विरासती धर्मशिक्षा के केंद्र हैं। इसलिए इजराइल–अमेरिका एक आयतुल्लाह को मारेंगे तो धर्मव्यवस्था–संविधान अनुसार नया आयतुल्लाह आ जाएगा।

कायर कौन हैं नाटो देश या खाड़ी देश

शकील

राजशाही और शासकों की मनमानी नीतियों के खिलाफ अरब देशों में कई बार आवाजें उठ चुकी हैं। 15 साल पहले खाड़ी देशों में अरब स्प्रिंग के नाम से बड़ा जन आंदोलन हुआ था। लोग लोकतंत्र की मांग कर रहे थे। वह आवाजें फिर उठ सकती हैं। जनता की मर्जी के खिलाफ इजराइल अमेरिका को समर्थन देना अरब देशों को भारी पड़ सकता है। ईरान की जनता की बहादुरी मिसाल बन गई है। कायर कौन? नाटो देश! जो युद्ध को रोकना चाहते हैं। हार्मुज स्ट्रेट पर हमला करके उसे और ज्यादा भड़काने से बचना चाहते हैं? या खाड़ी देश? जिन्होंने डर के मारे अपनी जमीन अमेरिका के सैन्य अड्डों के लिए दे रखी है। जो ईरान में मासूम बच्चों, वहां के नेताओं की टारगेट कीलिंग, गैस तेल क्षेत्रों पर हमले पर एक शब्द नहीं बोल पा रहे हैं?ट्रंप फ्रस्टेशन में नाटो देशों को कायर कह रहे हैं मगर दुनिया अरब देशों को कायर बता रही है। जो गजा में इजराइल द्वारा किए नरसंहार के खिलाफ खड़े नहीं हो सके। और अब ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान के ही खिलाफ खड़े हो गए। ईरान की गलती क्या है? ऐसे ही इराक रासायनिक हथियार बना रहा है कहकर अमेरिका ने उस पर हमला किया था और वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी। ईरान में भी वहां के टाप सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत तमाम बड़े लीडर मार दिए और अब पूरी तरह तबाह करने की धमकी दे रहा है।कौन है वह? दुनिया का थानेदार? किसने बनाया? स्वघोषित! अमेरिका और इजराइल की भाषा क्या है? मार डालेंगे, तबाह कर देंगे, कुछ नहीं बचेगा! यह दुनिया के सबसे पुराना लोकतंत्र की भाषा है? या गुंडों बदमाशों की! अरब देश इस्लामिक कंट्री के नाम पर संगठन बनाते हैं। लेकिन इस्लाम के सबसे पवित्र महीने रमजान में एक इस्लामिक देश पर हुए हमलों का समर्थन करते हैं? फिर वही सवाल कि आखिर हमला क्यों? जब संयुक्त राष्ट्र सहित अन्तरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) सब ईरान से बात कर रहे थे। वहां जाकर जांच हो रही थी। वहां के सुप्रीम लीडर ने परमाणु बम को मानवता के खिलाफ बताते हुए उसे बनाने से इनकार किया था फिर अचानक हमला करने और वह भी स्कूल पर जहां दो सौ के करीब बच्चियां मारी गईं का क्या मतलब?इजराइल को सफाई देना पड़ रही है कि हमने अमेरिका को युद्ध में नहीं फंसाया। अमेरिका निकलने का रास्ता ढूंढ रहा है। लेकिन यह सब तो बाद में हुआ। ईरान के मजबूती से लड़ने के बाद। खासतौर से वहां की अवाम के पूरी हिम्मत से घरों से निकलकर सड़कों पर आ जाने के बाद। ईरान में बंकर नहीं हैं। जैसे इजराइल ने बना रखे हैं। सायरन बजता है सब बंकरों में चले जाते हैं। इरान में बम गिरते हैं लोग सड़कों पर आ जाते हैं। यह जो जज्बा है उसने ही पूरी दुनिया में खासतौर से अमेरिका में हलचल मचा दी।वियतनाम में यही हुआ था। अमेरिका वहां की बहादुर जनता से नहीं लड़ पाया और वापस हो गया। ट्रंप को यहां भी युद्ध खत्म करने की बात कहना पड़ रही है। वियतनाम में अमेरिका ने 1965 में हमला किया था। करीब 60 हजार सैनिक उसके मारे गए थे। जनता का भरोसा अपनी सरकार से उठ गया था। बड़े गहरे राजनीतिक और सामाजिक असर पड़े थे। अमेरिका की मीडिया और जनता ने साफ तौर कहा कि सरकार ने उन्हें गुमराह किया। जीत रहे हैं कि झूठे दावे किए गए। और सबसे बड़ा परिणाम यह हुआ था कि प्रेसिडेन्ट निक्सन को इस्तीफा देना पड़ा था। राजनीतिक विश्लेषण सेवा ट्रंप को सब याद आ गया है। अमेरिका में फिर उसके सैनिकों के ताबूत लौटने लगे हैं। वियतनाम युद्ध में भी ऐसी ही शुरूआत हुई थी। अमेरिका की जनता किसी दूसरे के युद्ध में अपने सैनिकों को खोना क्यों पसंद करेगी? ईरान से अमेरिका को कोई खतरा नहीं था। वहां के राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी केन्द्र (एनसीटीसी) के निदेशक जो केंट ने अभी यही कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा नहीं था। हम यह युद्ध इजराइल के लिए लड़ रहे हैं। पूरे अमेरिका में यह माहौल बन रहा है। दुनिया में तो है ही। मगर अरब देशों के शासकों की समझ में नहीं आ रहा है। वे आंख बंद करके अमेरिका और इजराइल का साथ दे रहे हैं। लेकिन क्या वहां की जनता भी अमेरिका और इजराइल के साथ है? सबसे बड़ा सवाल यही है। राजशाही के कारण वहां की अवाम की कोई बात दुनिया के सामने नहीं आ पाती है। मीडिया पर पूरा कंट्रोल है। लेकिन जनता की आवाज कभी भी किसी भी समय दबाई नहीं जा सकी है। खबरें आती है कि वहां जब ईरान की मिसाइलें गिर रही हैं और नुकसान हो रहा है तो लोग पूछते हैं कि इजराइल का साथ देने की हमारी क्या मजबूरी है? अगर अमेरिका हमें बचा ही नहीं पा रहा तो उसे हमारी जमीन पर सैनिक अड्डे बनाने की छूट क्यों दी गई थी? और असली सवाल कि हमारा ईरान की अवाम से क्या झगड़ा है? जो हम वहां के स्कूल की बच्चियों को मार रहे हैं, दूसरे शहरियों को मार रहे हैं। गजा में भी इसी इजराइल ने किया मासूम बच्चों को मारा। और अब हमारी जमीन से वहां मिसाइलें और ड्रोन भेजकर मार रहे हैं।इस क्यों का जवाब अमेरिका और इजराइल नहीं देंगे। अरब देश के शासकों को देना होगा।

असम और पुडुचेरी में तेजी से बदल रहे हैं राजनीतिक समीकरण

डॉ. ज्ञान

यात्रा की गाइड और यात्रा की जानकारी भाजपा के लिए सबसे बड़ा फायदा दूसरी राजनीतिक पार्टियों से नेताओं का पाला बदलना रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है, और भाजपा ने उन्हें टिकट भी दिया है। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए, जिसे कई लोग राज्य की राजनीति में एक बड़ा बदलाव मान रहे हैं। चुनाव वाले चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में से असम और पुडुचेरी में ही एनडीए की सरकार है। यहां भाजपा एनडीए को और मजबूत बनाने के लिए बहुत सक्रिय है। वह दूसरी राजनीतिक पार्टियों या उनके नेताओं को गठबंधन में या सीधे भाजपा में शामिल कराने की कोशिश कर रही है। विपक्ष के कई नेताओं ने एनडीए और भाजपा का दामन थामा है, जिससे ये पार्टियां और मजबूत हुई हैं। लेकिन, कुछ अहम नेता और पार्टी के एनडीए छोड़ने से भाजपा नेतृत्व के लिए असम और पुडुचेरी–जहां 9 अप्रैल को चुनाव होने हैं – दोनों जगहों पर नई मुश्किलें भी खड़ी हो गई हैं। एक अहम घटनाक्रम में, यूपीपीएल ने 17 मार्च को सीटों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद के चलते एनडीए छोड़ दिया। पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और वह बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) और उसके बाहर भी अपने उम्मीदवार उतारेगी। इस पार्टी के अलग होने का महत्व इसलिए ज़्यादा है, क्योंकि बोडोलैंड को श्किंगमेकरश (सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने वाला) इलाका माना जाता है, जहां विधान सभा की 15 सीटें हैं। इस इलाके में चलने वाली राजनीतिक हवा का असर पूरे असम के चुनावी माहौल पर भी पड़ता है। यूपीपीएल 2020 से ही एनडीए में भाजपा की एक अहम सहयोगी पार्टी रही है। 2021 के चुनावों में इसने 6 सीटें जीती थीं, जिससे 126 सीटों वाली विधानसभा में एनडीए की कुल सीटों की संख्या 75 हो गई थी।भाजपा ने बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) को एनडीए में शामिल करके इस नुकसान की भरपाई करने की कोशिश की है। यहां यह बताना जरूरी है कि बीपीएफ पहले श्महाजोतश का हिस्सा थी, जो राष्ट्रीय स्तर पर श्इंडियाश ब्लॉक का ही एक रूप है। 2021 के चुनावों में इस पार्टी को 8 सीटों का नुकसान हुआ था और वह सिर्फ 4 सीटें ही जीत पाई थी। माना जा रहा है कि अपना जनाधार कमजोर पड़ने के कारण बीपीएफ ने खुद को फिर से खड़ा करने के लिए एनडीए का हाथ थामा है, यह अलग बात है कि बीटीआर चुनावों में उसने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। अभी यह कहना मुश्किल है कि इस कदम से इंडिया ब्लॉक को कितना नुकसान पहुंचेगा या भाजपा को इससे कितना फायदा होगा। अब एनडीए में तीन राजनीतिक पार्टियां शामिल हैं – भाजपा, एजीपी, और बीपीएफ।नवंबर 2025 में, श्असम सोनमिलित मोर्चाश (एएसएम) को फिर से सक्रिय किया गया। इस मोर्चे को बनाने के लिए 8 राजनीतिक पार्टियों ने हाथ मिलाया था, ताकि वे भाजपा और एनडीए के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ सकें। हाल ही में, इसी महीने में, श्रायजोर दलश नाम की एक और पार्टी एएसएम से अलग हो गई, यानी इंडिया ब्लॉक से बाहर हो गई। इस तरह, एएसएम में अब छह राजनीतिक पार्टियां हैं –कांग्रेस, असम जातीय परिषद (एजेपी), सीपीआई(एम), ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस, सीपीआई (एमएल) एल और जेएमएम।चुनाव मैदान में अन्य महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां भी हैं– एआईयूडीएफ, टीएमसी, सीपीआई, आप और एनपीपी। यह ध्यान देने वाली बात है कि आप ने शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत की है, और दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा आप के नेताओं को बरी किए जाने के बाद, असम में पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी बढ़ गया है। आप ने अब तक 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। एआईयूडीएफ का भी कुछ खास इलाकों में काफी मजबूत जनाधार है, और उसने अब तक 21 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। भाजपा के लिए सबसे बड़ा फायदा दूसरी राजनीतिक पार्टियों से नेताओं का पाला बदलना रहा है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है, और भाजपा ने उन्हें टिकट भी दिया है। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए, जिसे कई लोग राज्य की राजनीति में एक बड़ा बदलाव मान रहे हैं। इसी महीने की शुरुआत में, कांग्रेस के तीन मौजूदा या निलंबित विधायकों ने भाजपा का दामन थाम लिया। यह कांग्रेस की अंदरूनी कमजोरी की ओर इशारा करता है। दूसरी पार्टियों से भी नेताओं के पाला बदलने के संकेत मिल रहे हैं, जैसे कि एआईयूडीएफ से कुछ लोगों का भाजपा के पक्ष में आना। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान, एआईयूडीएफ के तीन विधायकों ने यूपीपीएल के उम्मीदवार का समर्थन किया था, जो अब एनडीए से अलग हो चुकी है। एआईयूडीएफ ने एनडीए उम्मीदवार का समर्थन करने वाले अपने दो विधायकों को निलंबित कर दिया है।कुछ मौजूदा या पूर्व भाजपा नेताओं ने भी अपनी निष्ठा बदलकर कांग्रेस का दामन थाम लिया है, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की बात करें तो, मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी की पार्टी श्ऑल इंडिया एनआर कांग्रेसश एनडीए से अलग होने के संकेत दे रही है। 2021 के चुनावों में एनआर कांग्रेस ने 30 में से 10 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा को 6 सीटें मिली थीं। भाजपा ने अब जोस चार्ल्स मार्टिन के नेतृत्व वाली नई पार्टी लाचियाजननायगाकाची (एलजेके) को एनडीए में शामिल करने का फै सला किया है, जिसका मुख्यमंत्री रंगास्वामी विरोध कर रहे हैं। अगर भाजपा, एनडीए से एलजेके को बाहर नहीं करती है, तो इस बात की पूरी संभावना है कि एनआर कांग्रेस एनडीए छोड़ देगी। यह ध्यान देने वाली बात है कि जोस चार्ल्स मार्टिन, लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के सबसे बड़े बेटे हैं। अभी 17 मार्च को ही, मुख्यमंत्री

रंगास्वामी ने भाजपा द्वारा सीट बंटवारे पर बुलाई गई एनडीए की एक बैठक का बहिष्कार किया था। उन्होंने भाजपा के साथ सीट बंटवारे के समझौते का इंतजार किए बिना ही अपनी पार्टी के उम्मीदवार की घोषणा भी कर दी थी। परंपरागत रूप से, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव एक ही दिन होते हैं, लेकिन इस साल ये अलग–अलग तारीखों पर हो रहे हैं, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि भाजपा का कोई छिपा हुआ एजेंडा है जिसे भारत का चुनाव आयोग पूरा कर रहा है। पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री वी. नारायण सामी ने कहा, श्हमें तमिलनाडु और पुडुचेरी में अलग–अलग दिनों पर चुनाव कराने के पीछे किसी छिपे हुए एजेंडे का शक है।श डीएमके और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे की बातचीत में गतिरोध जारी है। दोनों पार्टियों के बीच बड़े मतभेद हैं – डीएमके 18 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है और कांग्रेस 20 सीटों पर। यह ध्यान देने वाली बात है कि कांग्रेस ने 2021 के चुनाव में सिर्फ 2 सीटें जीती थीं, जबकि डीएमके ने केवल 6 सीटें जीती थीं। पुडुचेरी में एनडीए में अभी पांच राजनीतिक पार्टियां शामिल हैं–एआईएनआरसी, भाजपा, एआईए डीएमके, पीएमके और एलजेके।

सेवा भारती मछलीशहर की जिला कार्यसमिति घोषित, डॉ आर.बी. चौहान बने जिलाध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सेवा भारती, मछलीशहर इकाई की बहुप्रतीक्षित जिला कार्यसमिति की घोषणा मंगलवार को मछलीशहर में आयोजित बैठक के दौरान की गई। क्षेत्र सेवा प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश के युद्धवीर जी की संस्तुति के उपरांत काशी प्रांत के प्रांत सहसेवा प्रमुख पवन जी ने नई कार्यसमिति की घोषणा की। इस निर्णय से संगठन में नई ऊर्जा और सक्रियता आने की उम्मीद जताई जा रही है। डॉ विनय कुमार त्रिपाठी, विभाग उपाध्यक्ष जौनपुर द्वारा जारी 25 पदाधिकारियों की सूची में युवाओं को प्राथमिकता देते हुए सामाजिक संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। चार विधानसभा क्षेत्रों वाले इस जनपद में सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व को समाहित करने का प्रयास किया गया है, जिससे संगठन की समावेशी सोच स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। नई कार्यसमिति में ब्रह्मदेव उपाध्याय को संरक्षक, डॉ आर.बी. चौहान को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद पर ओम प्रकाश तिवारी, डॉ ए.के. तिवारी और संतोष बिंद को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महामंत्री के रूप में विभव सिन्हा और सौरभ दुबे, जबकि मंत्री पद पर संगम, परमानंद और नितेश सेठ को नियुक्त किया गया है। कोषाध्यक्ष रणजीत यादव, संपर्क प्रमुख मोलू जायसवाल, किशोरी विकास प्रमुख बीना सिंह तथा प्रचार प्रमुख के रूप में जय प्रकाश तिवारी को दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त संजय सिंह को स्वावलंबन प्रमुख, डॉ कोविदेंद्र को स्वास्थ्य आयाम प्रमुख, सुशील मिश्रा को अध्ययन प्रमुख और अशोक सरोज को सामाजिक आयाम प्रमुख बनाया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ तेज सिंह ने की, जबकि डॉ वेद प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठन के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविंद ने किया। अंत में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ आर.बी. चौहान ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जौनपुर महोत्सव 24 से शाही किला में, सामूहिक विवाह सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । यूपी के जौनपुर में तीन दिवसीय "जौनपुर महोत्सव" का आयोजन 24 से 26 मार्च तक ऐतिहासिक शाही किला परिसर में किया जाएगा। इस महोत्सव में सांस्कृतिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें स्थानीय कला और परंपरा की झलक देखने को मिलेगी। इस मामले में सोमवार देर शाम कलेक्ट्रेट परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन 24 मार्च को उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन तथा ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग के मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूर्ण करने और कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। आयोजन के नोडल अधिकारी के रूप में परियोजना निदेशक, जिला ग्राम विकास अभिकरण को नामित किया गया है, जबकि कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी नगर मजिस्ट्रेट और उप जिलाधिकारी सदर को सौंपी गई है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रत्येक जोड़े का बायोमेट्रिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 601 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जाएगा इसके लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। पात्र लाभार्थियों का विवाह सत्यापन के बाद ही संपन्न कराया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के निर्देशन में आयोजन स्थल पर सुरक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण, मंच, भोजन, विद्युत आपूर्ति सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक संध्या, शिव तांडव, मां काली नाट्य प्रस्तुति, राम दरबार के विग्रह स्वरूप दर्शन और पाई डंडा नृत्य जैसे आकर्षक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

जौनपुर के चिकित्सकों का ग्लोबल कीर्तिमान, 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हुई भागीदारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, ।यूपी के जौनपुर के चिकित्सकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए जिले का मान बढ़ाया है। उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (यूएनएस एएसएमसी) की चीफ प्रॉक्टर डॉ. रुचिरा सेठी और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आदर्श कुमार यादव ने Guinness World Records में दर्ज एक वैश्विक सत्र का हिस्सा बनकर चिकित्सा क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। यह उपलब्धि National Board of Examinations in Medical Sciences (एनबीईएमएस) द्वारा आयोजित 'एआई इन हेल्थकेयर' विषयक विशेष सत्र से जुड़ी है। इस सत्र को विश्वभर में एक साथ 17,999 दर्शकों ने लाइव देखा, जिसे "हेल्थकेयर लेसन की सबसे बड़ी लाइव स्ट्रीम" के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान प्राप्त हुआ। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' अभियान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तकनीकी रूप से सक्षम उत्तर प्रदेश के विजन के अनुरूप मानी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से आम लोगों को बेहतर और सटीक इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा प्रदत्त मेडल और प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने दोनों चिकित्सकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान के लिए गर्व का विषय है और इससे जौनपुर की चिकित्सा सेवाओं को वैश्विक पहचान मिलेगी। डॉ. रुचिरा सेठी और डॉ. आदर्श यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की नीतियों और संस्थान के मार्गदर्शन को देते हुए भविष्य में तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

चौकियां धाम में मां शीतला का भव्य श्रृंगार, गुलाब–नीबू की माला से सजकर भक्तों को दिए दर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । यूपी के जौनपुर स्थित शीतला चौकियां धाम में चौत्र नवरात्र के छठे दिन मंगलवार को मां शीतला की विशेष पूजा–अर्चना श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। पूजा–अर्चना से पूर्व मां दुर्गा के शीतला स्वरूप का भव्य श्रृंगार किया गया। मां को लाल गुलाब और नीबू की आकर्षक माला पहनाई गई, साथ ही लाल चुनरी और लाल–सुनहरे वस्त्रों से सजाया गया। देवी को सोने–चांदी के आभूषणों से अलंकृत कर दिव्य स्वरूप प्रदान किया गया, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े। भक्तों द्वारा मां को सीताफल, केला और बर्फी का भोग अर्पित किया गया। सुबह मंदिर के कपाट खुलने से पहले ही दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लग गई थीं। श्रद्धालु हाथों में नारियल, चुनरी और प्रसाद लेकर मां के दर्शन–पूजन के लिए पहुंचे और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिर के महंत विवेकानंद पंडा ने बताया कि उदया तिथि के अनुसार सप्तमी तिथि पर मां कालरात्रि की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन विधि–विधान से पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। उन्होंने श्रद्धालुओं को नवरात्र के धार्मिक महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। पूरे मंदिर परिसर में भजन–कीर्तन, घंटों की ध्वनि और जयकारों से माहौल गूंजता रहा। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

इन जिलों में दस डिग्री तक चढ़ सकता है पारा, डराने वाले हैं पूर्वानुमान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीते तीन दिनों के दौरान झोंकेदार हवाओं के साथ गरज–चमक वाली बारिश दर्ज की गई। कई जिलों में तापमान सामान्य से 10 डिग्री या इससे भी नीचे आ गया था। रविवार को बलिया और गोरखपुर में अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार से विक्षोभ का असर कमजोर पड़ गया है और बारिश का दौर थमने से आगे मौसम शुष्क रहेगा। विभाग का कहना हैकि अब धूप की तपिश बढ़ने से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अगले सात दिनों में दिन के तापमान में सात से दस डिग्री तक की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मध्यांचल में एक दिन में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री की बढ़त दर्ज हुई। इसके बावजूद रविवार को पश्चिमी व पूर्वी संभागों में मौसम सुहाना रहा।

नजीबाबाद में अधिकतम तापमान गिरकर 26.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं कानपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे ठंडी रात रही। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने से सोमवार से पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क हो जाएगा। साथ ही मौसम सामान्य होने पर अगले सात दिनों में अधिकतम तापमान में करीब दस डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। राजधानी में दो दिन में 6.8 डिग्री चढ़ा पारा राजधानी में विक्षोभ का असर खत्म होते ही धूप की तपिश में तेजी आई। शुक्रवार और शनिवार को बारिश और हवाओं के असर से मौसम खुशनुमा रहा। रविवार को धूप तीखी रही और शुक्रवार से रविवार के बीच दो दिनों में अधिकतम तापमान में 6.8 डिग्री सेल्सियस का उछाल आया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आसमान साफ रहने और रूखी पछुआ से तपिश बढ़ेगी ।

जिलाधिकारी लखनऊ व जिलाधिकारी सीतापुर का वेतन रोकने का कमिश्नर को आदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर– 10 वर्ष पूर्व छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत के मामले में क्षतिपूर्ति की वसूली वाहन स्वामी व चालक से न करने पर ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश मनोज कुमार अग्रवाल ने जिलाधिकारी लखनऊ व जिलाधिकारी सीतापुर का वेतन रोकने का आदेश कमिश्नर लखनऊ को दिया। दुर्घटना करने वाले ट्रक का स्वामी लखनऊ का व चालक सीतापुर का निवासी है। पिछली तारीख पर तहसीलदार का वेतन रोकने का आदेश दिया गया स्पष्टीकरण मांगा गया इसके बावजूद कार्रवाई न होना कोर्ट ने आपत्तिजनक माना और आदेश की अवहेलना में दोनों जिलाधिकारी का वेतन रोकने का आदेश दिया। अगले सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। बता दें कि 23 मई 2016 को 7रू30 बजे सुबह त्रिलोचन बाजार में ट्रक चालक की उपेक्षा व लापरवाही से टक्कर मारने से वादिनी शबनम के पुत्र फैसल निवासी जलालपुर की मौत हो गई थी। वह हाई स्कूल पास था। बच्चों के परिजनों ने ट्रक मालिक विजय प्रकाश वर्मा निवासी महमूरगंज, कैसरबाग, लखनऊ ट्रक चालक राजीव शुक्ला निवासी कन्दुवापुर, सीतापुर व ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ क्षतिपूर्ति का मुकदमा दाखिल किया था। ट्रक चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस न होने के कारण कोर्ट ने वाहन स्वामी व चालक के ऊपर क्षतिपूर्ति का दायित्व अधिरोपित करते हुए 3.34 लाख रुपए 7: ब्याज की दर से अदा करने का आदेश 24 अगस्त 2017 को दिया था। बीमा कंपनी को बरी कर दिया था। आदेश का पालन न होने पर पीड़ित पक्ष ने वसूली के लिए ट्रक के मालिक व चालक के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया।कोर्ट ने आरसी जारी किया लेकिन अनुपालन नहीं हुआ।

चंद्रावती में 17.06 करोड़ से बन रहा आधुनिक तीन–स्तरीय घाट, जैन सर्किट को मिलेगा नया आयाम

लखनऊ, (संवाददाता)। वाराणसी में चंद्रावती गांव को जल्द ही विशिष्ट पहचान मिलने जा रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जैन सर्किट के तहत यहां 17.06 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक, पर्यावरण के अनुकूल तीन–स्तरीय घाट का निर्माण कराया जा रहा है, जो लगभग 99 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। जैन धर्म के 8वें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु की जन्मस्थली पर बना करीब 200 मीटर लंबा यह घाट शीघ्र ही आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। वाराणसी के अन्य घाटों की तुलना में अधिक शांत यह स्थल जिले में पर्यटन को नया आयाम देगा।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार आध्यात्मिक पर्यटन को विस्तार देने में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में चंद्रावती गंगा घाट परियोजना तेजी से आकार ले रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में वाराणसी में 17.30 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया, जो शहर की बढ़ती वैश्विक पहचान को दर्शाता है। आने वाले समय में चंद्रावती स्थल जैन धर्मावलंबियों के लिए प्रमुख आकर्षण केंद्र बनने की संभावना है।विकास परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार तीन–स्तरीय घाट का संरचनात्मक कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रथम और द्वितीय स्तर पूरी तरह तैयार हैं, जबकि तृतीय स्तर का प्लेटफॉर्म भी बनकर तैयार हो गया है। शेष फ्लोरिंग और रेलिंग का कार्य जैन श्वेतांबर तीर्थ सोसायटी द्वारा कराया जाएगा।यह परियोजना कई दृष्टियों से विशिष्ट मानी जा रही है। इसे आधुनिक रिवर फ्रंट के रूप में विकसित किया गया है, जो घाट किनारे स्थित मंदिर को कटाव से सुरक्षित रखने के साथ–साथ गंगा जल को मंदिर परिसर में प्रवेश करने से रोकने में सक्षम होगा। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए घाट का निर्माण कम कार्बन फुटप्रिंट वाली तकनीक से किया गया है। विशेष रूप से गैबियन संरचना आधारित निर्माण भू–जल संतुलन को प्रभावित किए बिना स्थायित्व और पारिस्थितिक संतुलन सुनिश्चित करेगा।नए घाट को पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। यहां सीढ़ियों के माध्यम से गंगा तट तक सहज पहुंच सुनिश्चित की गई है। साथ ही शौचालय, पोर्टेबल चेंजिंग रूम, साइनेज और पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। घाट पर हेरिटेज लाइटिंग, पत्थर की बेंच, जालीदार रेलिंग और हरित क्षेत्र इसकी सुंदरता को और आकर्षक बना रहे हैं।काशी से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित चंद्रावती जैन धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत पवित्र स्थल है।

बदायूं में दो अफसरों की हत्या के बाद बड़ी कार्रवाई, नौकरी से निकाले गए 85 कर्मचारी

लखनऊ, (संवाददाता)। बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैंजनी गांव स्थित एचपीसीएल के सीबीजी प्लांट में हुई दो अफसरों की हत्या के बाद कंपनी प्रबंधन ने बड़ा कदम उठाते हुए 85 कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया है। ये सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारी थे। इनमें मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह के दो भाई केशव प्रताप और चंद्रशेखर भी शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सीबीजी प्लांट में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को सेवा समाप्ति की सूचना एन–3–ई टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक गगन हलानी द्वारा ई–मेल के माध्यम से दी गई। कंपनी की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 13 मार्च से सभी संबंधित कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त मानी जाएंगी और नियमानुसार उक्त अवधि तक का भुगतान भी कर दिया गया है। बता दें कि बीते 12 मार्च को प्लांट परिसर में उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने का आरोप आउटसोर्सिंग कर्मचारी अजय प्रताप सिंह पर है, जो महज 14 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर कार्यरत था। बताया जाता है कि उसने नौकरी के बहाने प्लांट परिसर में पहुंचकर पराली आपूर्ति का ठेका भी लेना शुरू कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, प्लांट में बढ़ती अराजकता और अनुशासनहीनता को देखते हुए उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता ने सख्ती बरतनी शुरू की थी, जिससे आरोपी अजय प्रताप सिंह बौखला गया। इसी रंजिश में उसने इस जघन्य दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर खुद ही आत्मसमर्पण कर दिया था। बाद में पुलिस ने मुठभेड़ दिखाकर उसका चालान कर दिया। चार माह पहले बदली थी ठेका कंपनी, तब भी हुई थी छंटनी बताया जा रहा है कि लगभग चार माह पूर्व ही प्लांट में मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाली पुरानी एजेंसी 'लक्ष्य इंटरप्राइजेज' का ठेका निरस्त कर एन–3–ई टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। नई कंपनी ने कार्यभार संभालते ही करीब 40 कर्मचारियों की छंटनी की थी, जिसमें आरोपी अजय प्रताप सिंह भी शामिल था। माना जा रहा है कि उसी समय से वह रंजिश पाले हुए था। हत्याकांड के बाद से प्लांट का संचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। कंपनी और प्रशासन की ओर से संकेत दिए गए हैं कि जब तक सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हो जाते और माहौल पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाता, तब तक प्लांट दोबारा शुरू नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पलटी, एक महिला की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर बांगरमऊ क्षेत्र के नसीरपुर गांव के पास सोमवार सुबह तेज रफ्तार स्लीपर बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि करीब 30 लोग घायल हो गए। बस में कुल 55 यात्री सवार थे। बताया गया कि सभी यात्री एक ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी से जुड़े हैं और दिल्ली में आयोजित कंपनी एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसे में लखनऊ के गोसाईंगंज निवासी 55 वर्षीय तारावती पत्नी त्रिभुवन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में घायल करीब 20 से अधिक यात्रियों को पहले नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के यात्री फंस गए। सूचना पर पुलिस और यूपीडा की रेस्क्यू टीम पहुंची और सभी को निकाला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चालक को झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित होने से हादसा हुआ।

कर्मचारी के प्रमोशन में तदर्थ सेवा भी गिनी जाएं, नियुक्ति तिथि के आधार पर हो पदोन्नति

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सेवा मामले में दिए एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि नियुक्ति प्रक्रिया विधि सम्मत रही हो और कर्मचारी लगातार सेवा में रहा हो, तो उसकी तदर्थ सेवा को भी पदोन्नति के लिए गिना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि किसी कर्मचारी से कनिष्ठ कर्मचारी को पदोन्नति मिल चुकी है, तो उसे भी उसी तिथि से पदोन्नति का अधिकार है, भले ही उसकी सेवा का नियमितीकरण बाद में हुआ हो। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने यह फैसला राज्य सरकार की दो विशेष अपीलों को खारिज करके दिया।इस मामले में मूल याची अनिल कुमार और शैलेंद्र सिंह, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। दोनों वर्ष 1986 में जूनियर इंजीनियर के पद पर तदर्थ नियुक्त हुए थे और बाद में उनकी सेवाएं नियमित की गईं। मामले में विवाद तब उत्पन्न हुआ जब इनके बाद नियुक्ति पाए कर्मचारियों को सहायक अभियंता पद पर 18 जनवरी 1995 से पदोन्नति दे दी गई, जबकि याचियों को इस लाभ से वंचित रखा गया। पहले, एकल पीठ ने याचियों के पक्ष में फैसला सुनाया था जिसे राज्य सरकार ने विशेष अपील के माध्यम से चुनौती दी। सरकार की ओर से तर्क दिया गया था कि चूंकि याचियों की सेवाएं उस समय तक नियमित नहीं हुई थीं, इसलिए उन्हें पिछली तिथि से पदोन्नति नहीं दी जा सकती। हाईकोर्ट ने सरकार की इस दलील को खारिज कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ में तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार तड़के मुठभेड़ के दौरान पशु तस्करी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से अवैध असलहा, कारतूस एवं संरक्षित पशु को काटने के उपकरण बरामद हुए हैं। सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि थाना क्षेत्र के गांव फरीदापुर चौधरी के समीप नाले में प्लास्टिक के बोरे में संरक्षित पशुओं के अवशेष बरामद हुए थे। इस प्रकरण में इज्जतनगर थाने में गोवध निवारण अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत किया गया था। इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया था।

निराश्रित गोवंश के लिए भूसा बैंक स्थापना को गति, 18 मंडलों में नोडल अधिकारी नामित

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में निराश्रित गोवंश के बेहतर भरण–पोषण के लिए भूसा बैंक की स्थापना और गोचर भूमि के विस्तार कार्य को तेज गति देने के उद्देश्य से प्रदेश के 18 मंडलों के लिए नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है। नोडल अधिकारियों को गौशालाओं का भ्रमण कर 30 मार्च तक अपनी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक गौशाला में व्यवस्थित प्रबंधन, भूसा बैंक की स्थापना, गो आश्रय स्थलों के संचालन में पारदर्शिता, तकनीक और जन सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।रविवार को गौतमपल्ली मंत्री आवास पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मंत्री धर्मपाल सिंह ने मुख्यमंत्री द्वारा भूसा बैंक एवं निराश्रित गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के संबंध में दिए गए सुझावों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि 30 मार्च तक प्रत्येक जनपद द्वारा भूसा एवं साइलेज का टेंडर पूर्ण कर लिया जाए और टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं उचित दरों का विशेष ध्यान रखा जाए।मंत्री ने कहा कि 15 अप्रैल से विशेष अभियान चलाकर भूसा संग्रहण, भूसा बैंक की स्थापना और भूसा प्रबंधन का कार्य पूरा किया जाए। सभी गो आश्रय स्थलों पर अस्थायी या स्थायी भूसा बैंक स्थापित कर कम से कम दो माह का भूसा सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाए। हरे चारे की उपलब्धता के लिए स्थानीय किसानों से अनुबंध कर उनकी सूची मोबाइल नंबर सहित तैयार करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि गोवंश के लिए चारे की कोई कमी न हो।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए ।

मृत्युशैय्या पर पड़े लोगों का बीमा करा रहा गिरोह, पुलिस नहीं कर रही सहयोग

लखनऊ, (संवाददाता)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक गिरोह मृत्युशैया पर पड़े लोगों को चिह्नित कर विभिन्न कंपनियों से उनका जीवन बीमा कराता है। कई मामलों में तो मृत व्यक्तियों के नाम पर भी पॉलिसी ली गई है। जांचकर्ता सत्यापन के लिए जाते हैं तो गिरोह के सदस्य धमकाते हैं। पुलिस जांच कर दोषियों को सजा दिलाने में सहयोग नहीं कर रही है। यह दलील इलाहाबाद हाईकोर्ट में एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के वकील ने दी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ बिजनौर निवासी नवाब अली उर्फ नवाबुद्दीन की जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रही थी। महिला ने आरोप लगाया था कि पति की मौत के बाद मिली बीमा राशि से याची ने धोखाधड़ी कर 4.8 लाख रुपये निकाले लिए। इस पर याची के वकील ने दलील दी कि पति की मृत्यु के बाद शिकायतकर्ता को दी गई 9,60,000 रुपये की परिपक्वता राशि में से चार लाख 80 हजार रुपये लिए गए हैं। ये रुपये बीमा राशि प्राप्त करने के खर्च के रूप में सहमति से लिए गए थे। कोर्ट ने बीमा के बदले में ली गई राशि के बारे में ब्रांच मैनेजर को बुलाया था। कंपनी के वकील ने गिरोह की बात कोर्ट से बताई।

'जिलाधिकारी ने जन सनुवाई मे सुनी 87 शिकायतें'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 87 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई

में प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट डॉ अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनता दरबार में फरियादियों की समस्या सुनकर डीएम ने किया निस्तारण

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। इस मौके पर उन्होंने गंभीरता पूर्वक उनकी समस्याओं को सुनते हुए कई समस्याओं का स्वयं समाधान किया और कुछ समस्याओं के समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।जनता दरबार में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। जनता दरबार में अधिकतर मामले

राजस्व, पुलिस, विकास कार्य, विद्युत, पेयजल, आवास एवं अन्य विभागों से संबंधित प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे।जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा–निर्देश दिए तथा समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आए हुए फरियादियों के आए हुए फरियादियों के इस मौके पर शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बरती जाए।उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना है।

सभी बसों का संचालन चुंगी के बाहर से किया जायेगा– जिलाधिकारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को स्वामी विवेकान्द सभागार में आहूत निजी बस आपरेटरों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने निर्देश दिये कि सभी मार्गो पर चलने वाली बस का कलर अलग–अलग होगा और नगर को जाम एवं अतिक्रमण से मुक्त करने हेतु सभी बसों का संचालन चुंगी के बाहर से किया जायेगा और प्रत्येक बस पर बारकोड लगाया जायेगा तथा बस पर बस मालिक एवं चालक का नाम लिखा जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि 15 अप्रैल 2026 से बसों का संचालन नये बस स्टैंड से कराया जाये। बैठक में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी सदर सुशील कुमार मिश्रा, एआटीओ अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं बस आपरेटर आदि उपस्थित रहे।

नाबालिग से दरिंदगी के मामले में अदालत ने दोषी को सुनाया 9 वर्ष का कारावास और 50 हजार का जुर्माना

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सोलह वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुई छेड़छाड़ और बदसलूकी के गंभीर मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।यह फैसला न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह की अदालत ने सुनाया है।उन्होंने अमानवीय कृत्य के लिए आरोपी पवन को नौ साल की कठोर कैद की सजा सुनाते हुए पचास हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।जिसमें से पच्चीस हजार रुपये की आधी राशि पीड़िता को मुआवजे के तौर पर प्रदान की जाएगी।फैसला आते ही पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए दोषी को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया।बताते चले कि यह घटना 6 सितंबर 2024 को उस समय हुई थी जब नाबालिग पीडिता किसी काम से घर से बाहर गई थी,तभी आरोपी पवन ने उसे अकेला पाकर बुरी नीयत से दबोचकर घिनौनी हरकत करने की कोशिश की।लेकिन उस समय किशोरी ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी आबरू बचाने के लिए जोर–जोर से चीखना–चिल्लाना शुरू कर दिया।उसकी चीख–पुकार सुनकर दरिंदा घबरा गया और वारदात को बीच में ही छोड़कर मौके से भाग खड़ा हुआ।घटना के बाद पीड़िता के पिता ने स्थानीय थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई और पुलिस में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई।पुलिस ने भी बिना कोई देरी किए मामले की गंभीरता को समझा और गहन जांच–पड़ताल शुरू कर दी।हालांकि मेडिकल रिपोर्ट में किसी तरह के दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई थी,लेकिन अदालत ने छेड़छाड़ और सरेआम कपड़े अमानवीय हरकत को बेहद संगीन जुर्म मानते हुए सभी साक्ष्यों के आधार पर उसे दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई।

मां कूष्मांडा का पंच पुष्प से शृंगार, मालपुआ और केसरिया हलवा का लगाया भोग

भदोही, (संवाददाता)। चौत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को घरों से लेकर देवी मंदिरों तक मां की आराधना करने में हर कोई लीन रहा। देवी पचरा गीत की धूम रही। जैसे मोरे घरे आव हे मईया, एक दो तीन चार, मईया जी की जय जयकार, पहाड़ों वाली मईया, लगा द जयकारा मां शेरावाली मईया आदि गीत गाकर महिलाएं माता को प्रसन्न की। देवी मंदिरों में आस्था, श्रद्धा और विश्वास का अनूठा संगम दिखा। सुबह स्नान ध्यान करके दर्शन–पूजन के लिए लोग पहुंचने लगे। मां के चरणों में शीश नवाया, दर्शन–पूजन करके सुख, समृद्ध की कामना की। मां कूष्मांडा को मालपुआ, सफेद पेड़ा, केसरिया, हलवा का भोग लगाया गया।

'नगरपालिका बोर्ड बैठक में वर्ष 2026-27 में सत्ताईस लाख लाभ का बजट पास'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' नगर पालिका परिषद शाहाबाद की बोर्ड बैठक 2026– 27 में सड़क निर्माण,जल व्यवस्था,सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं सहित विकास कार्यों के लिए कई प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गये। सोमवार को नगर पालिका परिषद के सभागार कक्ष में नगर पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सत्ताईस लाख का बजट पास हुआ। नगरपालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने बोर्ड बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि नगर के मुख्य मार्गो के निर्माण से नगरवासियों को राहत मिली है बाकी शेष अधूरे मार्गों का भी अति शीघ्र निर्माण करवाया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष ने समस्त सभासदों को उनके वार्डो में समरूप से विकास कार्य सुचारू रूप से करवाने का भरोसा दिया। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि वार्डो की साफ सफाई व्यवस्था का उचित ध्यान रखा जाये इसके लिए वार्ड के सुपरवाइजर सजग रहे और सफाई से जुडी कोई शिकायत आती है तो सम्बंधित कर्मचारी पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान वर्ष 2026–2027 की आय व व्यय का बजट पास किया गया। जिसमें पालिका की आय 79 करोड़ 47 लाख रुपये तथा व्यय 79 करोड़ 20 लाख रुपये का अनुमोदन किया गया। इस प्रकार कुल 27 लाख के लाभ का बजट ध्वनि मत से पास हुआ। इसी के साथ पिछले वर्ष 2025–26 का पुनरीक्षित बजट के प्रस्ताव को अनुमति दी गई। वहीं बोर्ड बैठक में बजट विवरण सुनाते हुए प्रभारी अधिशासी अधिकारी सुप्रिया राव द्वारा सभी बिंदुओं का विस्तृत ब्यौरा दिया गया। इस बैठक मे अतुल मिश्रा, रिजवान अली कल्लू, अजहर मसूद, आदित्य गौतम, जिया जुनैद, रतिराम, अजीत कुमार, इमरान, सुष्मिता, अनीता देवी, नैना, अहिवरन,पूनम गुप्ता, मुईद आदि सभासद सहित लेखाकार असद खां ,जेई विजय कृष्ण यादव मौजूद रहे।

रामनवमी को लेकर आज से 27 मार्च रात्रि 12:00 बजे तक रहेगा रूट डायवर्जन

अयोध्या। चौत्र राम नौवमी को लेकर आज 24 मार्च मंगलवार को दोपहर 2 बजे से लेकर 27 मार्च को रात्रि 12 बजे तक जिले मे अयोध्या की तरफ यातायात डायवर्जन (मालवाहक भारी वाहन, ट्रक, डी0सी0एम0, ट्रैक्टर आदि भारी वाहनों का रोड डायवर्जन रहेगा। यातायात विभाग के मुताबिक सुल्तानुपर से आने वाले वाहनों को कूड़ेभार से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा।रायबरेली से आने वाले वाहनों को हलियापुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा। आजमगढ़, अम्बेडकरनगर से आने वाले वाहनों को गोहन्ना मोड़ अम्बेडकरनगर से दोस्तपुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा।जबकि बाराबंकी की ओर से आने वाले वाहनों को भिटरिया रामसनेही घाट से हैदरगढ़ से पूर्वाचल एक्प्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा।जनपद बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर से नवाबगंज गोण्डा की ओर डायवर्जन किया जायेगा।जनपद गोण्डा की ओर से नवाबगंज से आने वाले वाहनों को लकड़मण्डी से लोलपुर से बस्ती की ओर डायवर्जन किया जायेगा।जनपद गोरखपुर से वाहनों का डायवर्जन–गोरखपुर से लिंक एक्सप्रेस–वे होकर पूर्वाचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन होगा।जनपद गोरखपुर–संतकबीरनगर– बस्ती से आने वाले वाहनों को फुटहिया चौकी थाना–को0 नगर से कलवारी से टाण्डा से अकबरपुर से दोस्तपुर से पूर्वाचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन किया जायेगा।गोरखपुर की ओर से आने वाने वाहनों का संतकबीर नगर (खलीलाबाद), मंझरिया तिराहा से कटका से मैंनसिर से धनघटा होते हुए बिल्हरघाट फ्लाईओवर से अम्बेडकरनगर, दोस्तपुर से पूर्वाचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन किया जायेगा।गोरखपुर, संतकबीरनगर, बांसी, मेहदावल, डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर, गोण्डा से आने वाले वाहन जरवल रोड तिराहा से वापस आकर बहराइच की ओर जाकर टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर–लखनऊ मार्ग में डायवर्जन किया जायेगा।जनपद बलरामपुर, बहराइच, गोण्डा, श्रावस्ती, से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहनों को टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर–लखनऊ मार्ग में डायवर्जन किया जायेगा।जनपद कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को कानपुर, उन्नाव, मौरावां, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, चांद सराय से पूर्वाचल एक्सप्रेस–वे से गोरखपुर डायवर्जन किया जायेगा। जनपद लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस–वे से आने वाले वाहनों को मोहान, जुनाबगंज, से मोहनलालगंज से गोसाईगंज से पूर्वाचल एक्सप्रेस–वे से गोरखपुर डायवर्जन किया जायेगा।जनपद सीतापुर, शाहजहॉपुर, से आने वाले वाहनों को आई0आई0एम0 रोड दुबग्गा से आलमबाग, नहरिया से शहीदपथ होते हुए अहीमामऊ से होते हुए पूर्वाचल एक्सप्रेस–वे डायवर्जन किया जायेगा।वही समस्त डायवर्जन आवश्यक सेवाओं को छोड़कर लागू रहेगा।

महिला थाना पुलिस कर्मियों ने मिशन शक्ति के तहत महिलाओ को किया जागरुक

अयोध्या। चौत्र नवरात्रि के मौके पर एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में मंगलवार को कोतवाली नगर क्षेत्र में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला की देखरेख मे महिला थाना में तैनात उप निरीक्षक सोनी, श्वेता राठौर व प्रिया ने गुलाब बाड़ी,जिला चिकित्सालय,जिला महिला चिकित्सालय के साथ–साथ अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर जाकर यह अभियान चलाते हुए महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने को कभी भी कमजोर ना समझे दुर्गा,चंडी,काली व लक्ष्मी के रूप में ही अपने को जाने।आप सभी को अपना अधिकार जानना चाहिए क्योंकि महिलाओं व बालिकाओं के लिए केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार एक से बढ़कर एक महत्वाकांक्षी योजनाएं चल रही है।उन्होंने कहा कि आप सभी अपने को अबला न समझ कर एक शक्ति का रूप माने।अपने चौमुखी विकास के साथ–साथ समाज में रहने वाले सामाजिक तत्वों के साथ–साथ कुरीतियों का भी डटकर मुकाबला करें।इस मौके पर उन्होंने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना ,बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया।महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।इस मौके महिला पुलिस उप निरीक्षक के अलावा पीआरडी गायत्री,वीरमती,माधुरी सहित अन्य महिला पुलिस कर्मी व महिलाए मौजूद रही।

अपनी मांग को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने बीएसए को दिया ज्ञापन

अयोध्या। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ संजय सिंह ने मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए ऐसे विद्यालयों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है।संघ का आरोप है कि जिले में बड़ी संख्या में अवैध विद्यालय बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं, जो शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों का खुला उल्लंघन कर रहे हैं।इन विद्यालयों में न तो प्रशिक्षित शिक्षक हैं और न ही आवश्यक बुनियादी सुविधाएं,इसके बावजूद अभिभावकों से मनमाना शुल्क वसूला जा रहा है।संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में 10 जुलाई 2025 और 29 जनवरी 2025 को भी विस्तृत सूची के साथ शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।जिसको लेकर शिक्षकों में नाराजगी है और उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।इस मौके पर विकास सिंह, रामजी सिंह, संदीप सिंह, मंजेश मौर्य, चंद्रभान वर्मा, शिव शंकर सोनी, आशुतोष तिवारी, उत्तम सिंह, राज नारायण सिंह, प्रवीण सिंह, प्रदीप सिंह, राजकुमार वर्मा, द्वारकाधीश उपाध्याय, मनोज यादव, शैलेंद्र सिंह सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें छात्र–छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की।मुख्य अतिथि के रूप में प्रबंध निदेशक अवनीश पांडे ने संबोधित करते हुए कहा ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं को सीख लेनी चाहिए।एनएसएस के शिविरार्थियों के अंदर राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत होती है।थाना क्षेत्र हैदरगंज के सराय मनोधर स्थित कल्पना शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यक्रमों के कार्यक्रमाधिकारी बजरंग प्रसाद उपाध्याय वं राहुल कुमार यादव के नेतृत्व में एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा बेहतर प्रस्तुति की गई।जिसमे देशभक्ति गीत रूपा व पर्यावरण पर नुक्कड़ नाटक कल्पना चावला ग्रुप एव करिश्मा ने सातों दिन में किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया।मंचासीन सभी प्रबुद्ध जनों ने बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता रमा विद्या मंदिर के प्रबंधक नरेंद्र प्रसाद सिंह व संचालन राहुल यादव ने किया।प्राचार्य डॉ अंजनी कुमार चतुर्वेदी, कुलानुशासक योगेश कुमार शुक्ल,प्रदीप कुमार कनौजिया,अध्यापक उपस्थित होकर समापन समारोह को बेहतर बनाने में अपना सहयोग व बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया।महाविद्यालय के अन्य वरिष्ठ शिक्षक प्राध्यापिका भूगोल विभाग डॉ सीमा उपाध्याय,डॉ के.के.तिवारी,प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग डॉ एस एन मिश्रा डॉ विपुल कुमार तिवारी ,दिनेश कुमार तिवारी विनोद कुमार शुक्ला, राजकुमार तिवारी,रेखा मिश्रा,मीना तिवारी,सुभद्रा यादव,पंकज श्रीवास्तव , विपिन कुमार यादव,आलोक यादव,अमित सिंह,विकास,शुभम पांण्डेय,राजेश कुमार तिवारी, सत्यदेव पांण्डेय के अलावा और सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियो ने इस समापन समारोह मेंअपनी सहभागिता करके कार्यक्रम को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया।

सिलेंडर न मिलने पर गैस उपभोक्ताओं ने किया देवकाली बाईपास मार्ग जाम

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मंगलवार को भोर शशि गैस सर्विस देवकाली पर भोर से सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे उपभोक्ताओं ने सिलेंडर न मिलने के चलते देवकाली बाईपास मार्ग को जाम कर दिया। जिसके चलते वहां पर घंटे यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और इधर से गुजरने वाले दो पहिया तथा चार पहिया वाहन चालकों को इस जाम का शिकार होना पड़ा।जाम कर रहे कई गैस उपभोक्ताओं ने बताया कि पहली बात तो आसानी से सिलेंडर की बुकिंग हो नहीं रही है और जो बुकिंग हो रही है उसकी डिलीवरी घर तक नहीं पहुंच रही है।जिसके चलते मजबूरी में वे सभी गैस उपभोक्ता मंगलवार को भोर से ही घंटों लाइन में शशि गैस एजेंसी पर खड़े रहे परंतु उन्हें निराशा ही हाथ लगी। जिसके चलते उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और देवकाली बाईपास मार्ग को जाम कर दिया।इस मौके पर जाम कर रहे गैस उपभोक्ताओं ने बताया कि उनके गैस सिलेंडर को बुक हुए काफी दिन हो गए लेकिन अभी तक सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हुई।जिसके चलते हुए घंटा लाइन से खड़े रहे।कुछ गैस उपभोक्ताओं ने यहां तक बताया कि उन्होंने गैस सिलेंडर बुक ही नहीं किया था लेकिन यहां के गैस एजेंसी पर तैनात मैनेजर कर्मचारी के साथ–साथ हाकरों की मिली भगत से बिना जानकारी के उनके मोबाइल पर मैसेज आ गया कि आपका सिलेंडर बुक हो चुकी थी वह डिलीवरी भी हो गई है।जबकि उन उपभोक्ताओं ने कोई भी गैस सिलेंडर बुक ही नहीं किया था।उन्होंने बताया कि सवाल यह उठता है कि जब यह गैस सिलेंडर नहीं बुक हुआ तो आखिर कैसे उनके सिलेंडर का डिलीवरी हो गया।बताया कि इस समय हेरा फेरी शशि गैस एजेंसी देवकाली पर बहुत हो रही है।उन्होंने शशी गैस एजेंसी के मालिक रामू प्रियदर्शी के साथ–साथ मैनेजर अनिल कुमार पर आरोप लगाया कि वह यहां पर तैनात कर्मियों तथा हाकरो से मिली भगत करके काफी मात्रा में गैस सिलेंडर काफी संख्या में ब्लैक कर रहे है।जाम कर रहे उपभोक्ताओं ने बताया कि अगर हमारी यह समस्या दूर नहीं हुई तो वह उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे जिसके जिम्मेदारी सीधे–सीधे प्रशासन की होगी।गैस उपभोक्ताओं द्वारा जाम लगाए जाने के चलते घंटे तक देवकाली बाईपास का यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रहा।

रामनगरी में विकास प्राधिकरण ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 125 बीघा अवैध प्लॉटिग पर चलाया बुलडोजर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रामनगरी में अनधिकृत निर्माण और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए मंगलवार को बड़ा अभियान चलाया।मांझा बरेहटा क्षेत्र में करीब 125 बीघा भूमि पर बिना अनुमति किए जा रहे प्लॉटिंग कार्य को अयोध्या विकास प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्त कर दिया।इस दौरान मौके पर भारी मशीनरी और बुलडोजर की मदद से दीवारों और अन्य अस्थायी ढांचों को गिरा दिया गया। इस संबंध में अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि संबंधित जमीन पर बिना किसी स्वीकृत लेआउट या नक्शे के प्लॉट काटे जा रहे थे। जमीन को छोटे–छोटे टुकड़ों में विभाजित कर बेचने की तैयारी चल रही थी।जो नियमों का सीधा उल्लंघन है।शिकायत और जांच के बाद इस मामले में जब अनियमितताएं सामने आईं,तो टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे निर्माण को जमींदोज कर दिया।जांच में यह भी सामने आया कि इस अवैध प्लॉटिंग में सहवाग यादव और राम जनम की भूमिका प्रमुख थी। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि बिना आधिकारिक अनुमति इस प्रकार का कोई भी निर्माण पूरी तरह गैरकानूनी है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।प्राधिकरण ने आम लोगों को भी सतर्क करते हुए अपील की है कि वे किसी भी जमीन की खरीद–फरोख्त करने से पहले उसकी वैधता जरूर जांच लें। बिना स्वीकृत लेआउट वाले प्लॉट खरीदने पर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए केवल अधिकृत योजनाओं में ही निवेश करें। इस संबंध में प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि शहर में अनियोजित विकास और अवैध कब्जों पर रोक लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। आने वाले समय में भी ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखी जाएगी,ताकि सुनियोजित और व्यवस्थित विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।